

शुद्धाक्षरी लेखन

विद्यार्थी मुख्य रूप से वाक्य-रचना में अशुद्धियाँ करते हैं। अशुद्धियाँ मुख्यतः लिंग, वचन एवं कारकों के प्रयोग में होती हैं।

शुद्धाक्षरी लेखन को लेकर कुछ ध्यान देने योग्य बातें:

1. शब्द या वाक्य में लिंग, वचन, सर्वनाम एवं विभक्तियों का उचित एवं सही ज्ञान होना अतिआवश्यक है।
2. वाक्य में शब्दों का सही क्रम होना चाहिए।
3. काल की उचित पहचान कर वाक्य निर्माण करना चाहिए।
4. ध्वनि एवं मात्रा में भिन्नता नहीं आनी चाहिए।
 1. महेनत – अशुद्ध
 2. मेंदी – अशुद्ध

	अशुद्ध वाक्य	व्याकरण की गलतियों का उल्लेख	शुद्ध वाक्य
1.	मैं आज घर जल्दी जाएगा।	जाएगा – क्रियापद लेखन में अशुद्धता	मैं आज जल्दी घर जाऊँगा।
2.	तू मुझे लेकर चल।	तू, मुझेको – विभक्तियों में अशुद्धता	तुम मुझे लेकर चलो।
3.	मैंने मित्र को फोन करा।	करा – क्रियापद लेखन में अशुद्धता	मैंने मित्र को फोन किया।
4.	इंदिरा गांधी एक अच्छे महिला थे।	अच्छे – विशेषण व लिंग पहचान में अशुद्धी	इंदिरा गांधी एक अच्छी महिला थीं।
5.	उसको गए एक घंटा हो गया है।	उसको – विभक्ति में अशुद्धता	उसे गए एक घंटा हुआ है।
6.	श्यामा ने सुंदर पोशाक पहना है।	पहना – विशेषण व लिंग पहचान में अशुद्धी	श्यामा ने सुंदर पोशाक पहनी है।
7.	मैं नहीं चाहता किसीका अनिष्ट हो।	किसीका – विभक्ति के स्थान लेखन में अशुद्धी	मैं किसी का अनिष्ट नहीं चाहता हूँ।
8.	मैं को प्यास लगी है।	मैं को – सर्वनाम का अशुद्ध प्रयोग	मुझे प्यास लगी है।
9.	तैरने में बड़ी मजा आई।	आई – क्रियापद का अशुद्ध प्रयोग	तैरने में बड़ा मजा आया।
10.	सूर्य की परिक्रमा पृथ्वी करती है।	सूर्य की – सही क्रम लेखन के अभाव में अशुद्ध प्रयोग	पृथ्वी सूर्य की परिक्रमा करती है।
11.	एक बार गोपाल बहोत बीमार हुआ था।	बहोत – वर्तनी में अशुद्धता	एक बार गोपाल बहुत बीमार हुआ था।

शुद्ध शब्द

1.	मूर्छा – मूर्च्छा	2.	सामर्थ्य – सामर्थ्य
3.	कमबखत – कमबख्त	4.	तश्करी – तस्करी
5.	मंजील – मंजिल	6.	तिमारदारी – तीमारदारी
7.	भर्तस्ना – भर्त्सना	8.	ताबुत – ताबूत
9.	नीरिह – निरीह	10.	दश्तकार – दस्तकार
11.	अंतेष्टि – अंत्येष्टि	12.	कुंवर – कुँवर
13.	उत्पीड़न – उत्पीड़न	14.	बिहड़ – बीहड़
15.	त्रप्ति – तृप्ति	15.	क्षिण – क्षीण